

# ﴿ فِهْرِيْنَ بِأَسْمَاءِ الشُّوَرِ وَبَيَانِ الْمَكِّيِّ وَالْمَدِينِيِّ مِنْهَا ﴾

| الشُّورَة     | دَقْعَمَا | الْقِسْمَة | الشُّورَة     | دَقْعَمَا | الْقِسْمَة |
|---------------|-----------|------------|---------------|-----------|------------|
| القَصَاصَة    | ٢٨        | ١          | العنكبوت      | ٢٩        | ٣٩٦        |
| البَقَرَة     | ٢         | ٢          | الرُّوم       | ٣٠        | ٤٠٤        |
| آلِ عِمْرَان  | ٣         | ٣          | لَقَمَان      | ٣١        | ٤١١        |
| التِّيسَاء    | ٤         | ٤          | السَّجْدَة    | ٣٢        | ٤١٥        |
| الْمَائِدَة   | ٥         | ٥          | الْأَحْزَاب   | ٣٣        | ٤١٨        |
| الْأَنْعَام   | ٦         | ٦          | سَبَأ         | ٣٤        | ٤٢٨        |
| الْأَعْرَاف   | ٧         | ٧          | قَاطِر        | ٣٥        | ٤٣٤        |
| الْأَنْفَال   | ٨         | ٨          | يُسُف         | ٣٦        | ٤٤٠        |
| التَّوْبَة    | ٩         | ٩          | الصَّافَات    | ٣٧        | ٤٤٦        |
| يُونُس        | ١٠        | ١٠         | ص             | ٣٨        | ٤٥٣        |
| هُود          | ١١        | ١١         | الرُّؤس       | ٣٩        | ٤٥٨        |
| يُوسُف        | ١٢        | ١٢         | عَاف          | ٤٠        | ٤٦٧        |
| الرَّعْد      | ١٣        | ١٣         | فُصِّلَت      | ٤١        | ٤٧٧        |
| إِبْرَاهِيم   | ١٤        | ١٤         | الشُّورَى     | ٤٢        | ٤٨٣        |
| الْحَجَر      | ١٥        | ١٥         | الرَّخُوف     | ٤٣        | ٤٨٩        |
| التَّحَل      | ١٦        | ١٦         | الدَّخَان     | ٤٤        | ٤٩٦        |
| الْإِسْرَاء   | ١٧        | ١٧         | الْبَحَائِكَة | ٤٥        | ٤٩٩        |
| الْكَهْف      | ١٨        | ١٨         | الْأَحْقَاف   | ٤٦        | ٥٠٢        |
| مَرْيَم       | ١٩        | ١٩         | مَحْمَد       | ٤٧        | ٥٠٧        |
| طه            | ٢٠        | ٢٠         | الْقَشْع      | ٤٨        | ٥١١        |
| الْأَنْبِيَاء | ٢١        | ٢١         | الْحَجَرَات   | ٤٩        | ٥١٥        |
| الْمُنَافِق   | ٢٢        | ٢٢         | ق             | ٥٠        | ٥١٨        |
| المُؤْمِنُون  | ٢٣        | ٢٣         | الذَّارِيَات  | ٥١        | ٥٢٠        |
| النُّوْر      | ٢٤        | ٢٤         | الطُّوْر      | ٥٢        | ٥٢٣        |
| الْمَرْقَاة   | ٢٥        | ٢٥         | النَّجْم      | ٥٣        | ٥٢٦        |
| الشُّعَرَاء   | ٢٦        | ٢٦         | القَمَر       | ٥٤        | ٥٢٨        |
| النَّحْل      | ٢٧        | ٢٧         | الرَّحْمَن    | ٥٥        | ٥٣١        |
| الْقَصَص      | ٢٨        | ٢٨         | الْوَاوِعَة   | ٥٦        | ٥٣٤        |

| الشُّورَة | دُور | الْقِسْمَة |         | الشُّورَة | دُور | الْقِسْمَة |
|-----------|------|------------|---------|-----------|------|------------|
| الحديد    | ٥٧   | ٥٣٧        | سِتِيَة | الطارق    | ٨٦   | ٥٩١        |
| المجادلة  | ٥٨   | ٥٤٢        | سِتِيَة | الأعلى    | ٨٧   | ٥٩١        |
| الحشر     | ٥٩   | ٥٤٥        | سِتِيَة | الغاشية   | ٨٨   | ٥٩٢        |
| المتحة    | ٦٠   | ٥٤٩        | سِتِيَة | الفجر     | ٨٩   | ٥٩٣        |
| الصف      | ٦١   | ٥٥١        | سِتِيَة | البلد     | ٩٠   | ٥٩٤        |
| الجمعة    | ٦٢   | ٥٥٣        | سِتِيَة | الشمس     | ٩١   | ٥٩٥        |
| المنافقون | ٦٣   | ٥٥٤        | سِتِيَة | الليل     | ٩٢   | ٥٩٥        |
| التفكك    | ٦٤   | ٥٥٦        | سِتِيَة | الضحى     | ٩٣   | ٥٩٦        |
| الطلاق    | ٦٥   | ٥٥٨        | سِتِيَة | الشرك     | ٩٤   | ٥٩٦        |
| التحريم   | ٦٦   | ٥٦٠        | سِتِيَة | التين     | ٩٥   | ٥٩٧        |
| الملك     | ٦٧   | ٥٦٢        | مَكِيَة | العلق     | ٩٦   | ٥٩٧        |
| القلم     | ٦٨   | ٥٦٤        | مَكِيَة | القدر     | ٩٧   | ٥٩٨        |
| الحاقة    | ٦٩   | ٥٦٦        | مَكِيَة | البينة    | ٩٨   | ٥٩٨        |
| المعارج   | ٧٠   | ٥٦٨        | مَكِيَة | الزلزلة   | ٩٩   | ٥٩٩        |
| شوح       | ٧١   | ٥٧٠        | مَكِيَة | العاديات  | ١٠٠  | ٥٩٩        |
| الجن      | ٧٢   | ٥٧٢        | مَكِيَة | القارعة   | ١٠١  | ٦٠٠        |
| الشمز     | ٧٣   | ٥٧٤        | مَكِيَة | التكاثر   | ١٠٢  | ٦٠٠        |
| المدثر    | ٧٤   | ٥٧٥        | مَكِيَة | العصر     | ١٠٣  | ٦٠١        |
| القيامة   | ٧٥   | ٥٧٧        | مَكِيَة | الهمزة    | ١٠٤  | ٦٠١        |
| الإنسان   | ٧٦   | ٥٧٨        | سِتِيَة | الفيل     | ١٠٥  | ٦٠١        |
| المرسلات  | ٧٧   | ٥٨٠        | مَكِيَة | قريش      | ١٠٦  | ٦٠٢        |
| التبلي    | ٧٨   | ٥٨٢        | مَكِيَة | الماعون   | ١٠٧  | ٦٠٢        |
| النازعات  | ٧٩   | ٥٨٣        | مَكِيَة | الكوثر    | ١٠٨  | ٦٠٢        |
| عيس       | ٨٠   | ٥٨٥        | مَكِيَة | الكافرون  | ١٠٩  | ٦٠٣        |
| التكوير   | ٨١   | ٥٨٦        | مَكِيَة | التصين    | ١١٠  | ٦٠٣        |
| الانفطار  | ٨٢   | ٥٨٧        | مَكِيَة | المسك     | ١١١  | ٦٠٣        |
| الطهفين   | ٨٣   | ٥٨٧        | مَكِيَة | الإخلاص   | ١١٢  | ٦٠٤        |
| الانشقاق  | ٨٤   | ٥٨٩        | مَكِيَة | الفلق     | ١١٣  | ٦٠٤        |
| البروج    | ٨٥   | ٥٩٠        | مَكِيَة | الناس     | ١١٤  | ٦٠٤        |

## القرآن الكريم

- خطاط : ..... عثمان طه
- ناشر : ..... انتشارات لقاء
- عدد الصفحات و القطع : ..... ٦١٦ المصحف - وزيرى
- الطبع و سنه الطبع : ..... الاولى - ١٣٨٥
- الكميه : ..... ٥٠٠٠ نسخه
- المطبعه : ..... بعثت
- الشابك : ..... ٩-١٥-٨٤٢٥-٩٦٤

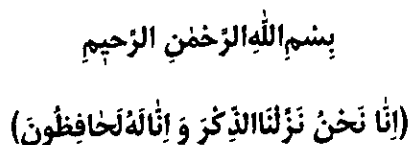
٣١

منشورات لقاء / قم المقدسه / شارع الشهداء - الأمار - رقم ١٠

الهاتف ٧٧٤٤٢٨٢-٠٠٩٨٢٥١ / النقال ٠٩١٢١٥٣٠٢٠٤

مركز التوزيع : العراق - النجف الاشرف - موسسه العطار الثقافيه

النقال : ٠٧٨٠١٠٣٦٠٠٨



این مصحف شریف شامل: سی جزء کامل

**و یا مشخصات:**

## خطا ط

: عثمان طه

نوع خط

نسخہ

مترجم

ندارد

## نوع ترجمه

\_\_\_\_\_

## زبان ترجمہ

— — — — —

قطع

وزیری

تعداد سطوح در هر صفحه

١٠٠

تعداد صفحات متن قرآن

٦٠٤ (مجموع صفحات: ٦١٦).

## نُوتٌ حَاتٍ

234

### محل جاب و جابخانه

قم - یشت

**تعداد**

سنة ١٠٠٠ هـ

[illegible]

بدیہی است انتشار این مصحف شریف پس از چاپ منوط بہ دریافت مجوز نشر (توزیع) و تجدید چاپ آن مشروط بہ تأیید مجددہ صدور محکمہ کتب، ادب، کا، نظارت و چاپ و نشر قرآن کریم خواہد بود. / ج

ومن الله التوفيق  
سازمان دالم القرآن الكريم

